मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 16 जनवरी 2015

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	16-01-14	17-01-14	18-01-15	19-01-15	20-01-15
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	20	21	21	22	22
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	9	8	8	7	7
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	0	0	0	1	1
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	89	84	82	78	76
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	32	34	32	30	28
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	10	9	10	12	6
हवा की दिशा	पूर्व–उत्तर–पूर्व	पूर्व–उत्तर–पूर्व	पूर्व	पूर्व	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

सरसों की फसल में सफेद रोली रोग के लक्षण दिखाई देने पर मैटालेक्सिल 8 प्रतिशत + मैंकोजेब 64 प्रतिशत डब्ल्यू.पी. को 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।

जीरे में मोयला कीट के नियंत्रण हेतु डाइमिथाएट 30 ई.सी. या मेलाथियान 50 ई.सी. 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

किसान भाई रबी फसलों की मुख्य कांतिक अवस्था पर सिंचाई अवश्य करें। गेहूँ की फसल में तीसरी सिंचाई 60–65 व चौथी सिंचाई 80–85 दिन की फसल अवस्था पर करें।

जीरा, धनियाँ, सौफ व मेथी में तुलासिता रोग में पत्तियों की ऊपरी सतह पर पीले धब्बे दिखाई देते है इसके नियंत्रण हेतु 2 ग्राम मैन्कोजेब प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

अमरूद व अनार में मिलीबग कीट का प्रकोप दिखाई देने पर डाइमिथोएट 30 ई.सी. का 1.5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के घोल का छिड़काव करें।

दुधारु एवं नवजात पशुओं को शीत लहर से बचाने के समुचित प्रबन्ध करें । पशुओं को खुरपका–मूंहपका रोग के टीके लगवाएं। तथा भोजन में चारे–बांटे की मात्रा बढ़ाएं व लवण–मिश्रण भी दें।